Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

नौलें व धारों से पानी पीठ में लादकर लाने को है मजबूर...

जिम्मेदार कौन

2011 से स्वीकृत चौबीस किमी लंबी पेयजल योजना दस साल बीतने के बाद भी लटकी

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। थल रामगंगा डीडीहाट पेयजल योजना पिछले बीते दस साल से बनने के बजाए विवादों के घेरे में आ गई है। जानकारी के मुताबिक बीते साल 2011 में स्वीकृत चौबीस किमी लंबी इस पेयजल योजना को बनने में पूरे दस साल लग गये। वही डीडीहाट की जनता को स्वच्छ पेयजल व पीने के पानी की पूर्ति के लिए खर्च किये तेइस करोड़ रूपये बर्बादी की तस्वीर बयां कर रहे है।

सीमांत के डीडीहाट क्षेत्रवासियों को उम्मीदें थी कि इस पेयजल योजना के बन जाने के बाद पानी के लिए इधर उधर नही भटकना पड़ेगा। आलम यह है कि क्षेत्रवासियों को पीठ में लादकर पानी नौलें व धारों से लादनें को मजबूर होना पड़ रहा है। बता दें कि यह हाल विधायक डीडीहाट बिशन सिंह चुफाल के गृह क्षेत्र का हुआ है। वहीं खुद विधायक के गृह क्षेत्र के क्षेत्रवासी कह रहे है कि विधायक उनकी समस्या का समाधान करने में सक्षम साबित नहीं हो पा रहे है। क्षेत्र की जनता बीते दस सालों से पेयजल योजना बनने के नाम पर अपने को छला हुआ महसूस कर रही है। क्षेत्र की जनता ने कहा है कि करोड़ों की लागत से बनाई जा रही पेयजल योजना आज भी अधूरी लटकी पड़ी हुई है। वहीं क्षेत्र की जनता पेयजल के लिए आज भी तरस रही है। आलम यह है कि क्षेत्रवासी जहां एक ओर पेयजल योजना के नाम पर उपेक्षा का शिकार हुए है। वही घरों के कामकाज छोड़ क्षेत्र के लोगों को पानी की पूर्ति के नौले धारे में लंबी मीलों चढ़ाई पार कर पेयजल की पूर्ति के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। वही क्षेत्र के लोगों में ऐसे में खासा आक्रोश झेलना पड़ रहा है। कई बार पेयजल निगम के आला अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी उनकी समस्या का हल निकल सका है।

वही इस मामले पर डीडीहाट पेयजल निगम के ईई शुभम द्विवेदी ने कहा कि क्षेत्र में पेयजल की खासी किल्लत बरकरार है। पेयजल पूर्ति के लिए बनाई जा रही पेयजल योजना थल रामगंगा डीडीहाट पेयजल योजना को बनने में अभी आगे और भी ज्यादा समय लगने के आसार बन रहे है।

न्यूज डायरी

डोमिनोज को हर्जाने के रूप में देने होंगे नौ लाख से ज्यादा रुपये

संवाददाता रुड़की। शाकाहारी पिज्जा आर्डर करने पर मांसाहारी पिज्जा की डिलीवरी करने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने डोमिनोज पिज्जा पर 9 लाख 65 हजार 918 रुपये का हर्जाना लगाया है। साथ ही इससे उपभोक्ता की धार्मिक भावना आहत करने का मामला बताया। मामला वर्ष 2020 का है। रुड़की के साकेत कालोनी निवासी शिवांग मित्तल ने 26 अक्टूबर 2020 को शाम साढ़े आठ बजे आनलाइन पिज्जा टाको और चोको लावा केके लिए आर्डर किया। डोमिनोज पिज्जा का कर्मचारी उक्त पैकेट लेकर आया। उन्होंने शाकाहरी पिज्जा की 918 रुपये की कीमत भी अदा कर दी। इसके बाद उन्होंने पैकेट को खोला तो उसमें अजीब सी गंद आ रही थी। इसके बाद शिवांग को उल्टियां होनी शुरू हो गई।

नदी में नहाने की जिद दीपक को मौत के आगोश में ले गई

संवाददाता पिथौरागढ़। बीते बुधवार स्थानीय युवा युवक दीपक जिले से एक निजी बरात में चंडाक शामिल होने गये था। बता दें कि बीते बुधवार को जिले में तेज गर्मी का प्रकोप होने से युवक अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने को लेकर जिद करने लगा। वही ये चारों युवक दीपक की जिद को पूरा करने के लिए नदी में नहाने जाने के लिए तैयार हो गये। जानकारी के मुताबिक दीपक जिला मुख्यालय के स्थानीय सौन्दर्य प्रसाधन की दुकान चलाने वाले अनु गिफ्ट सेंटर की दुकान में काम करता था। यह युवक व्यवसायी के यहां लंबे समय से कार्यरत कर्मचारी था। युवक के शव का पोस्टमार्टम कर परिवार वालों को सौप दिया गया है।

उत्तराखंड में है करोड़ों की बेशकीमती शत्रु संपत्तियां, ज्यादातर अतिक्रमण के दायरे में

संवाददाता नैनीताल। देशभर में बेशुमार बेशकीमती शत्रु संपत्तियां बिखरी हुई हैं। केन्द्र सरकार ने शत्रु संपत्तियों का भौगोलिक सत्यापन कर मूल्यांकन आदि की पड़ताल करा रही है। जिससे भविष्य में उनका सदुपयोग किया जा सके। उत्तराखंड में भी करोड़ों की शत्रु संपत्ति मौजूद है। राज्य सरकार ने 2020 में 69 ऐसी संपत्तियां खोज ली गई हैं, जिन्हें सरकार में निहित किया जा चुका है। लेकिन तब तक 68 संपत्तियों का पता नहीं लग सका थाा। इन्हें चिन्हित करने का काम जारी है। सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को इन संपत्तियों की जांच का काम प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं। उत्तराखंड में अब तक चिह्नित नहीं हो पाई शुत्र संपत्ति सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हैं। फिलवक्त पांच जिलों हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, देहरादून, नैनीताल और अल्मोड़ा में 69 शत्रु संपत्तियों का पता चला है।

स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में शपथ पत्र पेश करने से सरकार ने खड़े किए हाथ

संवाददाता नैनीताल। हाई कोर्ट ने प्रदेश के अस्पतालों में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि 4500 पेज की रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसका शपथ पत्र फाइल करना संभव नहीं है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ ने राज्य सरकार रिपोर्ट का सत्यापन कर इसकी एक प्रति याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार को दिए हैं। अगली सुनवाई की तिथि 15 जून नियत की है।

टिहरी गढ़वाल निवासी शांति प्रसाद भट्ट ने 2013 में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि जनपद टिहरी गढ़वाल के अस्पतालों में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाए बहुत लचर परिस्थितियों में है। जिसको कोर्ट ने गम्भीरता से लिया। सरकार को निर्देश दिए कि प्रदेश के अस्पतालों का सर्वे करें। साथ में यह भी कहा था कि अस्पतालों व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कौन कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं और कौन कौन से मूलभूत सुविधाएं नहीं है, इसकी रिपोर्ट तैयार कर कोर्ट को अवगत कराएं। प्रदेश भर में सर्वे के बाद राज्य सरकार ने 4500 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की है।

ग्राम खरसाड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ

संवाददाता पुरोला। हिमालयन हेल्थ इनीशिएटिव के सहयोग से मोरी स्वास्थ्य फाउंडेशन के तत्वधान में विकासखंड मोरी के ग्राम खरसाड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हर्षा शाह, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अश्विन शाह, बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विनीत शाह सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉक्टर धीरूभाई,डॉ निधि गोयल डॉक्टर हिमाली शाह ने प्रथम दिवस में क्षेत्र के 30 मरीजों का चिकित्सीय परीक्षण किया एवं दवा वितरण की गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत डोभाल गांव प्रधान मनोज सिंह चौहान,ग्राम पंचायत खड़खड़ी राजेश चौहान, ग्राम पंचायत देवजानी जय राम चौहान, मोरी स्वास्थ्य फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य किरण पटेल,डॉक्टर जया पटेल,कार्यक्रम के संयोजक विपिन सिंह चौहान ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरसाडी की कुमारी प्रियंका श्रीमती सीमा श्रीमती रोहाणी नेगी आदि लोग मौजूद थे।

दुग नाकुरी क्षेत्र में बारिश से उफान पर आई सरयू

संवाददाता बागेश्वर। दुग–नाकुरी तहसील में बुधवार की रात से लगातार बारिश हो रही है। जिला मुख्यालय पर सुबह एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इसके बाद मौसम खुल गया। नदी किनारे लोग रेता, बजरी और मछली आखेट करने निकल पड़े। एकाएक सरयू का जलस्तर बढ़ गया। जिससे अफरातफरी मच गई। चार मजदूर बीच में फंस गए। उन्हें पुलिस और फायर की टीम ने रेस्क्यू किया। सरयू नदी पर बागनाथ मंदिर के समीप बना नगर पालिका अस्थायी पुल भी आधा बह गया है। मई माह में सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। नदी का पानी गंदा होने से पेयजल किल्लत भी शुरू हो गई है।

गुरुवार को सरयू नदी एकाएक उफान पर आ गई। इससे विकास भवन के सामने नदी से रेता निकाल रहे चार मजदूरों की जान पर बन आई। उन्होंने नदी के बीच बने टापू पर जाकर जान बचाई। मजदूरों को संकट में देख आसपास के लोगों ने दमकल को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने रेस्क्यू अभियान चलाकर मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने नदी किनारे कपड़े धोने, मछली मारने और रेता–बजरी निकालने वालों को भी खदेड़ा।

लोग हुए भयभीतः सरयू नदी किनारे अतिक्रमण कर लोगों ने मकान, दुकान आदि बना लिए हैं। बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने से मकानों पर खतरा मंडारने लगता है। गुरुवार को नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद लोग भयभीत होने लगे हैं।

बागेश्वर के एसडीएम हरगिरी का कहना है कि नदियों की तरफ जाने से लोगों को रोका जा रहा है। सावधानी बरतने को कहा गया है। जल पुलिस भी तैनात की गई है।

कांग्रेस की आचार संहिता उल्लघंन की दोनों शिकायतें गलतः डीएम

संवाददाता चम्पावत। चम्पावत उपचुनाव में आचार संहिता उल्लघंन को लेकर कांग्रेस लगातार भाजपा पार्टी पर हमलावर हो रही है। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से आचार संहिता उल्लघंन की दो शिकायतें की है। जिसमें दोनों ही शिकायतें गलत है। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने दी। उन्होंने कहा कि हमें फिलहाल एक शिकायत मिली है। जांच में वह शिकायत गलत पाई गई। वहीं दूसरी शिकायत आरओ स्तर की है। वह हमें नहीं मिली है। अन्य स्त्रोत से मिली जानकारी के अनुसार यह शिकायत भी गलत है।

डीएम भंडारी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है कि मुख्यमंत्री नोडल अधिकारी की तैनाती आचार संहिता में की गई, जो आचार संहिता का उल्लघंन है। सीईओ से मिले निर्देश पर सीडीओ को जांच के आदेश दिए। जांच में पता चला कि नोडल अधिकारी ई. केदार सिंह बृजवाल की तैनाती 30 अप्रैल को गई थी।